



8 August, 2023

## मेरी LIFE, मेरा स्वच्छ शहर

**सन्दर्भ:** MoHUA और MoEFCC का संयुक्त प्रयास, 'मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर' अभियान 15 मई, 2023 को शुरू हुआ और 5 जून, 2023, विश्व पर्यावरण दिवस तक तीन सप्ताह तक जारी रहेगा।

- मेरी जिंदगी, मेरा स्वच्छ शहर' अभियान शहरी स्थानीय निकायों (ULB) को 'रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल' (RRR) केंद्र स्थापित करने का अधिकार देता है।
- यह अभियान एसबीएम-यू 2.0 के तहत संचालित है और यह एक सार्वजनिक आउटरीच प्रयास है, न कि कोई अलग योजना।
- RRR केंद्र प्लास्टिक, कपड़े, जूते, किताबें और खिलौने जैसी वस्तुएं स्वीकार करते हैं।
- इस कार्यक्रम का लक्ष्य नागरिकों, संस्थानों और व्यवसायों को RRR प्रथाओं को अपनाने, अपशिष्ट को कम करने और संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है।
- यह अभियान मिशन लाइफ के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है और इसका उद्देश्य स्वच्छ और हरित वातावरण के लिए व्यवहार में बदलाव लाना है।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से एक चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाने के लिए शहरी स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र में RRR प्रथाओं को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- इसके अन्य उपायों में घर-घर जाकर जागरूकता अभियान, सोशल मीडिया अभियान और प्रभावशाली लोगों की भागीदारी शामिल है।
- अभियान के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए MoHUA द्वारा यूएलबी के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए थे।

### RRR केंद्र

- **RRR केंद्र:** यह नागरिकों के लिए कपड़े, जूते, किताबें, खिलौने और प्लास्टिक जैसी वस्तुएं जमा करने के लिए वन-स्टॉप केंद्र है।
- **भाग लेना:** यह पुरानी और अप्रयुक्त वस्तुओं के लिए मेगा संग्रहण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाता है।
- **व्यापक पहुंच:** शहरों और राज्यों में 7000 से अधिक RRR केंद्र स्थापित किए गए हैं।
- **दरवाजे से दरवाजे तक:** संग्रह वैन खिलौने, किताबें, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक्स इकट्ठा करती हैं।
- **पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग:** स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए वस्तुओं का पुनः उपयोग किया जाता है।
- **सहसंबंधता:** वीडियो, जियो-टैगिंग और एनिमेशन जैसे नवीन तरीके।
- **संसाधन संरक्षण:** अपशिष्ट को कम करके एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना।
- **नवाचार:** फर्नीचर, पुनरुद्देश्यीय वस्तुओं के लिए पुनर्चक्रित प्लास्टिक।
- **शिक्षा एवं मनोरंजन:** पढ़ने, खेलने और सीखने के लिए स्थान।
- **युवा भागीदारी:** पहल के माध्यम से जागरूकता फैलाना।
- **पर्यावरण-हितैषी:** भोपाल के पर्यावरण-अनुकूल RRR केंद्र की तरह हरित प्रथाएं।
- **विस्तार:** शहरों के लिए अधिक RRR केंद्रों की योजना बनाई गई है।

## जीसैट 24

**सन्दर्भ:** टाटा प्ले ने भारत के 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण के अनुरूप न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के सहयोग से जीसैट-24 उपग्रह का उपयोग शुरू किया।

- GSAT-24, एक 4,180 किलोग्राम 24-Ku बैंड संचार उपग्रह, इसरो द्वारा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के लिए बनाया गया था।
- एरियन 5 रॉकेट ने जीसैट-24 को भूस्थैतिक कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया है।
- यह उपग्रह अखिल भारतीय कवरेज के साथ डीटीएच अनुप्रयोग आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- NSIL ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद अपना पहला मांग-संचालित संचार उपग्रह मिशन शुरू किया।
- GSAT-24 को इसरो के सिद्ध I-3k बस प्लेटफॉर्म पर कॉन्फिगर किया गया है।
- उपग्रह के 15 वर्षों तक संचालित होने की उम्मीद है।

### भारतीय उपग्रहों की श्रेणियाँ

- **संचार उपग्रह:** ये उपग्रह दूरसंचार, प्रसारण, आपदा चेतावनी और खोज और बचाव सेवाएं सक्षम करते हैं।
  - जैसे, जीसैट-15, जीसैट-19।
- **पृथ्वी अवलोकन उपग्रह:** ये उपग्रह भूमि, जल और वायुमंडलीय स्थितियों की निगरानी मानचित्र कला के माध्यम से करते हैं।
  - उदाहरण के लिए, कार्टोसैट श्रृंखला, रिसोर्ससैट श्रृंखला।
- **वैज्ञानिक अंतरिक्ष यान:** खगोल विज्ञान, ग्रह विज्ञान और वायुमंडलीय अनुसंधान के लिए इसका उपयोग किया जाता है।
  - जैसे, एस्ट्रोसैट, चंद्रयान मिशन।
- **नेविगेशन उपग्रह:** इसका कार्य नागरिक उड्डयन और सटीक स्थिति के लिए नेविगेशन सेवाएं प्रदान करना है।
  - उदाहरण के लिए, NavIC।
- **प्रायोगिक उपग्रह:** यह वैज्ञानिक और तकनीकी प्रयोगों की एक श्रृंखला का संचालन करता है।

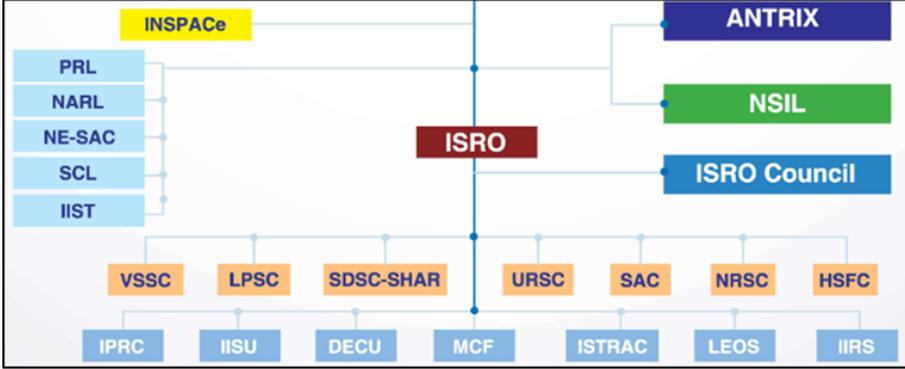
## Face to Face Centres





8 August, 2023

- उदाहरण के लिए, RISAT श्रृंखला, AISAT, TESATI
- छोटे उपग्रह: पृथ्वी इमेजिंग और अनुसंधान के लिए कॉम्पैक्ट प्लेटफॉर्म
- जैसे, माइक्रोसैट श्रृंखला, अनुसैट।
- छात्र उपग्रह: नैनो/पिको उपग्रह विकसित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों को प्रोत्साहित करना।
- उदाहरण के लिए, स्टडसैट, सत्यभामासैट।



## स्वाति रडार (Swathi Weapon Locating Radar)

संदर्भ: भारतीय सेना ने दुश्मन के तोपखाने का पता लगाने और युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए स्वाति डब्ल्यूएलआर (Mountain) तैनात किया है।  
अवलोकन और क्षमताएं

- स्वाति डब्ल्यूएलआर भारत में विकसित एक मोबाइल आर्टिलरी-लोकेटिंग चरणबद्ध एरे रडार है।
- यह तोपखाने, रॉकेट फायर और मोर्टार राउंड का पता लगाता है और ट्रैक करता है।
- यह काउंटर-बैटरी आग के लिए उद्गम बिंदु निर्धारित करता है।
- इसे एलआरडीई और बीईएल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया।
- यह निष्क्रिय इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन की गई एरे रडार तकनीक का उपयोग करता है।
- रडार एक साथ 7 लक्ष्यों का पता लगाता है।
- यह अनुकूली रडार संसाधन शेड्यूलिंग प्रदान करता है।
- यह वास्तविक समय डेटा और डिजिटल मानचित्र प्रदर्शन प्रदान करता है।
- यह रडार दूरस्थ संचालन और संचार क्षमताएं से युक्त है।
- यह रडार स्थितिजन्य जागरूकता और प्रतिक्रिया समय को बढ़ाता है।

### प्रदर्शन और ट्रैकिंग रडार

- तोपखाने के गोलों, मोर्टारों और रॉकेटों को ट्रैक करता है।
- तोपखाने की आग में सुधार के लिए शॉट के गिरने को ट्रैक करता है।
- 30 किमी तक बड़े कैलिबर आर्टिलरी राउंड का पता लगाता है।
- 40 किमी तक बिना गाइड वाले रॉकेट का पता लगाता है।
- उच्च घनत्व वाले अग्नि वातावरण में प्रभावी ढंग से काम करता है।
- विभिन्न कोणों और पहलू कोणों पर लक्ष्य को ट्रैक करता है।
- बेहतर प्रदर्शन के लिए पल्स संपीड़न के साथ मोनोपल्स सिग्नल का उपयोग करता है।
- संशोधित रंग-कुट्टा विधि के आधार पर अनुकूली हथियार का पता लगाने वाले एल्गोरिदम को नियोजित करता है।

Swathi Plains Radar (WLR)	Swathi Mountains Radar (WLR-M)
<b>Function:</b>	<b>Function:</b>
Locates guns, mortars, rockets on flat terrain	Designed for mountainous, high-altitude operations
Tracks fall of shot from friendly weapons	Detects mortar shells, rockets, tracks projectiles
Corrective measures for flat terrains	Classifies targets, rejects clutter, aircraft
	Offers trajectory estimation, launch/impact points
	Automatically corrects for height, enhances accuracy
<b>Capabilities:</b>	<b>Capabilities:</b>
Differentiates projectile and non-projectile	Detects and tracks enemy artillery, mortars, rockets
Rejects unwanted signals like clutter, birds	Tracks friendly fire trajectories for precise strikes
Offers trajectory estimation and launch/impact	Detects small projectiles, considers environment
Automatically adjusts for height, enhancing	High mobility, adaptable to changing operational needs
Stores trajectory data, facilitates	Slewable platform for agile scanning without
communication with higher echelons	repositioning.

## Face to Face Centres





8 August, 2023

## NEWS IN BETWEEN THE LINES

### राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण



**राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण:** राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के तहत गठित एक विशेष समूह है। इसकी शुरुआत वर्ष वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के नियमों का पालन करते हुए वर्ष 2006 में हुई।  
**NTCA के उद्देश्य:** केंद्र और राज्य दोनों सरकारों द्वारा टाइगर रिजर्व के प्रबंधन में बेहतर पालन और टीम वर्क के लिए प्रोजेक्ट टाइगर के दिशानिर्देशों को सशक्त बनाना।

**NTCA की संरचना:**

- अध्यक्ष: MoEFCC के प्रभारी मंत्री।
- उपाध्यक्ष: MoEFCC में राज्य मंत्री।
- तीन संसद सदस्य
- सचिव (एमओईएफसीसी) और अन्य नियुक्त सदस्य।

**'प्रोजेक्ट टाइगर':**

- 1 अप्रैल, 1973 को MoEFCC द्वारा एक केंद्र प्रायोजित योजना (CSS) के रूप में लॉन्च किया गया।
- प्रोजेक्ट टाइगर को विश्व स्तर पर अपनी तरह के सबसे महत्वपूर्ण प्रजाति संरक्षण प्रयास के रूप में मान्यता प्राप्त है।

### वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)



**वास्तविक नियंत्रण रेखा:** वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) उस सीमांकन रेखा को संदर्भित करती है जो भारत और चीन द्वारा नियंत्रित सीमा क्षेत्रों को अलग करती है।

**सीमा की लंबाई और राज्य:** भारत जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

**अनौपचारिक रूप से सीमांकित सीमा:** भारत-चीन सीमा पूरी तरह से निर्धारित नहीं है और इसमें आधिकारिक सीमा का अभाव है।

**एलएसी के प्रभाग:** एलएसी को तीन सेक्टरों में वर्गीकृत किया गया है: पश्चिमी (लद्दाख, कश्मीर), मध्य (उत्तराखंड, हिमाचल), और पूर्वी (सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश)।

**विवाद के अंतर्गत क्षेत्र:** आधिकारिक सीमांकन के अभाव के कारण भारत और चीन के बीच एलएसी को लेकर अलग-अलग धारणाएं मौजूद हैं। एलएसी से लगे क्षेत्रों में क्षेत्रीय विवाद बने रहते हैं, जिसके अलग-अलग दावे होते रहते हैं।

**एलएसी लंबाई विवाद:** भारत एलएसी को 3,488 किमी मानता है, चीन इसे 2,000 किमी मानता है, जिससे असहमति उत्पन्न होती है।

**वर्तमान मुद्दे:** म्यांमार में अशांति के कारण सुरक्षा व्यवस्था खराब होने से त्रिपक्षीय राजमार्ग जैसी परियोजनाएं बाधित हो रही हैं।

### रीसस मकाक



**रीसस मकाक क्या है?**

रीसस मकाक (Macaca mulatta) मकाका जीनस से संबंधित पुरानी दुनिया के बंदरों की एक प्रजाति है।

**उपस्थिति:** भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और चीन सहित दक्षिण एशिया में विभिन्न प्रकार के आवासों में पाया जाता है।

**भौतिक विशेषताएं:** उनका शरीर मध्यम आकार का और चेहरा गुलाबी होता है और विशिष्ट पूंछ इनकी विशेषताएं हैं।

**अनुसंधान का महत्व:** मनुष्यों के साथ उनकी शारीरिक और आनुवंशिक समानता के कारण वैज्ञानिक अनुसंधान में उनका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

**प्राकृतिक आवास:** जंगलों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक विभिन्न प्रकार के वातावरण में निवास करते हैं, जो उन्हें विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल बनाता है।  
**संरक्षण की स्थिति:** IUCN रेड लिस्ट उन्हें "कम से कम चिंता का विषय" के रूप में वर्गीकृत करती है, जिसका अर्थ है कि वे वर्तमान में विलुप्त होने के महत्वपूर्ण जोखिम का सामना नहीं कर रहे हैं।

**रोग वाहक:** रीसस मकाक हर्पीस बी वायरस जैसी बीमारियों के वाहक के रूप में काम कर सकते हैं, जिससे मनुष्यों के लिए संभावित खतरे उत्पन्न हो सकते हैं।

### कोल्ड आउट सिरप



**कोल्ड आउट सिरप क्या है?**

"कोल्ड आउट" एक संयोजन सिरप है जिसमें पेरिसिटामोल और क्लोफेनिरामाइन होता है। इसका उपयोग सामान्य सर्दी और एलर्जी के लक्षणों के इलाज के लिए किया जाता है।

**निर्माता:** यह डबीलाइफ फार्मा प्राइवेट लिमिटेड के लिए फोरट्स इंडिया द्वारा निर्मित है।

**अच्छा मुद्दा:** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सिरप को किसी तीसरे पक्ष (ईराक) द्वारा घटिया या दूषित बताया गया था।

**प्रदूषकों का पता लगाया गया:** प्रयोगशाला विश्लेषण से "कोल्ड आउट" सिरप के नमूने में दूषित पदार्थों के रूप में डायथिलीन ग्लाइकोल (0.25%) और एथिलीन ग्लाइकोल (2.1%) की अस्वीकार्य मात्रा की उपस्थिति का पता चला।

**सुरक्षा सीमाएं:** एथिलीन ग्लाइकोल और डायथिलीन ग्लाइकोल दोनों के लिए स्वीकार्य सुरक्षा सीमा 0.10% से अधिक नहीं होती है।

**वैश्विक प्रभाव:** यह घटना सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फार्मास्यूटिकल उत्पादों के लिए कड़े गुणवत्ता नियंत्रण उपायों के महत्व को रेखांकित करती है।



8 August, 2023

<p><b>हवाना सिंड्रोम</b></p> 	<p><b>हवाना सिंड्रोम क्या है?</b> हवाना सिंड्रोम विभिन्न देशों में अमेरिकी खुफिया और दूतावास के अधिकारियों द्वारा अनुभव किए गए मानसिक स्वास्थ्य लक्षणों के एक समूह को संदर्भित करता है, जिसमें कुछ आवाजें सुनना, मतली, चक्कर, सिरदर्द, स्मृति हानि और संतुलन संबंधी समस्याएं शामिल हैं। <b>मूल:</b> इस शब्द की उत्पत्ति वर्ष 2016 के अंत में क्यूबा में हुई, जब अमेरिका-क्यूबा संबंधों के सामान्य होने के बाद अमेरिका ने हवाना में अपना दूतावास खोला। <b>घटनाएँ:</b> चीन, रूस, पोलैंड, जॉर्जिया, ताइवान, कोलंबिया, किर्गिस्तान, उज़्बेकिस्तान, ऑस्ट्रिया और कई अन्य देशों में अमेरिकी अधिकारियों और राजनयिकों द्वारा हवाना सिंड्रोम की सूचना दी गई है। <b>लक्षण:</b> प्रभावित व्यक्तियों को मस्तिष्क में अचानक दबाव बढ़ने, लगातार सिरदर्द, भटकाव और अनिद्रा का अनुभव होता है। <b>भारत की भागीदारी:</b> भारत में हवाना सिंड्रोम की एक घटना सामने आई थी जिसमें सीआईए निदेशक विलियम बर्न्स के साथ यात्रा कर रहे एक अमेरिकी खुफिया अधिकारी शामिल थे।</p>
<p><b>समाचारों में स्थान</b></p> <p><b>नेवेली</b></p>	<p>तमिलनाडु का एक शहर नेवेली, जो लिम्नाइट भंडार और बिजली उत्पादन के लिए जाना जाता है, NLC इंडिया लिमिटेड की खनन विस्तार योजनाओं के कारण विरोध का सामना कर रहा है। यह विवाद भूमि अधिग्रहण और कृषि पर इसके प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमता है। <b>राजनीतिक सीमाएँ:</b> नेवेली भारत के उत्तरी तमिलनाडु में कुड्डालोर जिले में स्थित है। <b>भौतिक विशेषताएँ:</b> नेवेली अपने लिम्नाइट भंडार के लिए जाना जाता है, जो बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। <b>खनन विस्तार और विरोध:</b> एनएलसी इंडिया लिमिटेड (NLCIL) को नेवेली में अपनी खनन विस्तार योजनाओं पर विरोध और हिंसा का सामना करना पड़ा। किसानों और राजनीतिक दलों ने NLCIL की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पर आपत्ति जताई, जिससे विवाद पैदा हो गया है। <b>भूमि अधिग्रहण विवाद:</b> यह विवाद तब शुरू हुआ जब NLCIL ने एक दशक पहले अधिग्रहित भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया, जिसके बाद किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने अधिक मुआवजे की मांग की और कृषि भूमि पर खनन की स्थिरता पर सवाल उठाया। <b>मुआवजे की मांग:</b> किसान भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार के अनुसार मुआवजे की मांग करते हैं, जो बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजे की गणना करता है। <b>अधिग्रहण:</b> NLCIL ने 2006 से 2015 तक जमीन का अधिग्रहण किया लेकिन वर्षों तक कब्जा लेने में विफल रहा।</p> 

## POINTS TO PONDER

- ❖ भारत का पहला 'फार्मलैंड प्राइस इंडेक्स' किस संस्था ने विकसित किया? - आईआईएम अहमदाबाद
- ❖ हाल ही में किस कंपनी ने लापता बच्चों को ढूँढने के लिए 'AMBER अलर्ट' लॉन्च करने की घोषणा की है? - मेटा
- ❖ भारत का पहला लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में चालू किया गया है? - उत्तराखंड
- ❖ केरल की 'शुभयात्रा' योजना का प्राथमिक लक्ष्य क्या है? - सकारात्मक प्रवासन सुविधा
- ❖ किस देश की महिला कपाउंड तीरंदाजी टीम ने बर्लिन, जर्मनी में आयोजित विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया? - भारत

## Face to Face Centres

